राजस्थान इलेक्शन वॉच

लोकसभा चुनाव 2009

राजस्थान के 25 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में 7 मई 2009 में लोक सभा चुनाव हुए थे। यह अध्याय राजस्थान से लोक सभा चुनाव लड़ने वाले सांसदो तथा उम्मीदवारों की आपराधिक तथा आर्थिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण है। यह विश्लेषण उम्मीदवारों द्वारा अपने नामांकन पत्रों के साथ प्रस्तुत किए गए स्वघोषित हलफ़नामों पर आधारित है।

राजनैतिक दलों में वृद्धि

लोकसभा चुनाव 2004 में राजस्थान से चुनाव लड़ने वाले 22 राजनैतिक दलों की संख्या 2009 चुनाव में बढ़ कर 28 हो गई।यह राजनैतिक दलों की संख्या में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि

लोकसभा 2004 चुनाव में राजस्थान से कुल 185 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। यह संख्या लोकसभा चुनाव 2009 में बढ़ कर 346 हो गई। यह लोक सभा 2004 से लोक सभा 2009 के चुनावों तक उम्मीदवारों की संख्या में 87 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उम्मीदवारों तथा सांसदो का सारांश

उम्मीदवार

- लोकसभा 2009 चुनाव में राजस्थान से लड़ रहे सभी 346 उम्मीदवारों का राजस्थान इलेक्शन वॉच ने विश्लेषण किया।
- इन 346 उम्मीदवारों में से 36 अर्थात 10 प्रतिशत ने अपने विरूद्ध आपराधिक मामले घोषित किए। भाजपा के 25 में से 2 उम्मीदवारों ने आपराधिक मामले घोषित किए। इस तरह कांग्रेस के भी 25 में से 2 उम्मीदवारों ने आपराधिक मामले घोषित किए।
- आपराधिक मामले घोषित करने वाले 36 में से 16 ने अपने विरूद्ध गंभीर आपराधिक मामले घोषित किये हैं जैसे कि हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, जबरन वसूली, चोरी, डकैती आदि।
- लोकसभा चुनाव 2009 में चुनाव लड़ने वाले आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों की लोकसभा चुनाव 2004 से तुलना करने पर पता चलता है कि भाजपा और कांग्रेस दोनो की ओर से आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारो की संख्या घटी है। लोकसभा 2004 में भाजपा के आपराधिक मामलों वाले 25 में से 4 उम्मीदवार थे जोकि लोकसभा 2009 में घटकर 25 में से 2 हो गए। इसी तरह लोकसभा 2004 में कांग्रेस के आपराधिक मामलों वाले 25 में से 3 उम्मीदवार थे जोकि लोकसभा 2009 में घटकर 25 में से 2 हो गए
- इन उम्मीदवारों पर कुल 53 जघन्य अपराधों के आरोप थे जिनमें हत्या, जालसाजी, चोरी, अपहरण, जबरनवसूली आदि सम्मलित है।
- राजस्थान में कुल 3 ऐसे निर्वाचन क्षेत्र थे जिनमें 3 या उससे अधिक उम्मीदवारों ने आपराधिक मामले घोषित किए थें

- पाली निर्वाचन से 4 उम्मीदवारों ने आपराधिक मामलें घोषित किए, जबकि कोटा तथा झालावाड़–बारन निर्वाचन क्षेत्रों से 3–3 उम्मीदवारों ने अपने विरूद्ध आपराधिक मामलें घोषित किए।
- चुनाव लड़ रहे 346 उम्मीदवारों में से 56 अर्थात 16 प्रतिशत करोड़पति थे।
- राजस्थान से कुल 7 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति रू0 10 हज़ार से कम घोषित की है, जिसमें एक ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है।
- राजस्थान से कुल 49 उम्मीदवारों ने अपनी देनदारी रू0 5 लाख अथवा इससे अधिक घोषित की है, जिनमें 4 की देनदारियां रू0 1 करोड़ से अधिक है।
- भाजपा से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संपत्ति रू0 2.21 करोड़ थी जबकि कांग्रेस के उम्मीदवारों की औसत संपत्ति रू0 3.44 करोड़ थी।
- लगभग 53 प्रतिशत उम्मीदवारों ने (346 में से 185) ने अपने पैन विवरण घोषित नही किए।
- महिला उम्मीदवारों की संख्या 346 में से केवल 31 (9 प्रतिशत) थी जबकि पुरूष उम्मीदवारो की संख्या 315 (91 प्रतिशत) थी।
- कुल 41 प्रतिशत (346 में से 142) उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता स्नातक अथवा उससे अधिक थी।
- कांग्रेस, जिसे 80 प्रतिशत सीटों पर विजय प्राप्त हुई, को कुल डाले गए वोट का केवल 47 प्रतिशत मिला। 16 प्रतिशत सीटों पर विजयी भाजपा को कुल मतदान का केवल 37 प्रतिशत ही मिला।

सांसद

- लोकसभा 2009 में राजस्थान से 25 सांसदो में से 2 ने अपने विरूद्ध आपराधिक मामले घोषित किए है। 2004 में 3 सांसदो पर आपराधिक मामले घोषित थे।
- राजस्थान के वर्तमान सांसदो में किसी पर भी गंभीर आपराधिक मामले घोषित नही हैं। लोकसभा 2004 में 1 सांसद ने अपने विरूद्ध गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे।
- जहां लोकसभा 2004 में केवल 6 सांसद करोड़पति थे, वहीं लोकसभा 2009 में करोड़पतियों की संख्या बढ़ कर 14 हो गई।
- कांग्रेस के सांसदो की औसत संपत्ति रू0 3.59 करोड़ थी तथा भाजपा के सांसदो की औसत संपत्ति रू0 2.63 करोड़ थी।
- राजस्थान से चुने गए सांसदो की औसत संपत्ति रू0 3.33 करोड़ थी।
- 31 महिला उम्मीदवारों में से केवल 3 को विजय प्राप्त हुए। अतः वर्तमान लोकसभा से राजस्थान से केवल 12 प्रतिशत महिला सांसद है।